molecular physics, IX-NACAMP 92, BARC, Bombay, Dec.14-18, 1992.

18. "High power CW CO_2 lasers for material processing", A K Nath, L Abhinandan and P Chowdhary. First east west Internatinal convention on surface engineering, Bangalore, Dec.16-19, 1992.
19. "Reentrant spin-glasses : do they really exist?", S B Roy, invited talk, Solid state physics symposium, Tirupati, Dec.1992.
20. "Magnetic history effects in polycrystalline YBaCuO", S B Roy, S Kumar, A K Pradhan, P Chaddah, R Prasad and N C Soni, ibid.
21. "Lower critical field measurements using remanent second harmonic magnetisation in HTSC pellets, A K Pradhan, S B Roy, S Kumar, P Chaddah, R Prasad and N C Soni, ibid.
22. "Low field magnetic anomalies in single crystals of PSYCCO", by A K Pradhan, S B Roy and P Chaddah, ibid.
23. "Hysteresis in PPE amplitude versus temperature for YBaCuO thin film", S Kumar, ibid.
24. "Symmetry of the polarizability tensors for icosahedral (I and J_h) and D_{5h} groups", L M Ramaniah, S V Nair and K C Rustagi, ibid.
25. "Fullerene production and uv/vis and NMR spectra of C_{60}", M P Joshi and R Singh, ibid.
26. "New theoretical designs for dipole magnets", K V Bhagwat and P Chaddah, Nuclear physics symposium, Bombay, Dec.1992.
27. "Improvement of dynamic aperture in Indus-2", B Singh, G Singh and S S Ramamurthi, ibid.

OTHER ACTIVITIES / NEWS

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति द्वारा प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र का निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति ने 5 से 7 सितंबर 1992 के मध्य इंदौर स्थित केंद्रीय सरकार के कुछ कार्यालयों व उपक्रमों के सरकारी कामकाज में हिन्दी प्रयोग की स्थिति का जायजा लिया। समिति के संयोजक और संसद-सदस्य डॉ. लक्ष्मीनारायण पॉण्डेय सहित इस समिति में सम्मिलित थे-संसद सदस्य श्री जगदीश प्रसाद माथुर, श्री उदयप्रताप सिंह, चौधरी हरमोहन सिंह, श्री विजयकृष्ण हांडिक और श्री खलील-उल-रहमान। संसदीय समिति के सचिव के रुप में निरीक्षण कार्य में समन्वय व सहयोग किया श्री साहिबराम बतरा (अवर सचिव) ने।

निरीक्षण के लिए निर्धारित प्रश्नावली में प्रेषित सूचनाओं के आधार पर समिति के संयोजक व सदस्यों ने केंद्र के कामकाज में हिन्दी प्रयोग की दिशा में चर्चा की। केंद्र के मूलतः वैज्ञानिक स्वरुप को ध्यान में रखते हुए समिति के सदस्यों ने निरीक्षण के लिए प्रस्तुत पत्रादि, सहायक सामग्री तथा वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के साथ ही निर्धारित प्रयोजनों में हिन्दी के प्रयोग के प्रतिदर्शों का अवलोकन किया और केंद्र द्वारा इस दिशा में किए जाने वाले प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त की।

समिति के सदस्यों ने इस बात पर विशेष बल दिया कि केंद्र द्वारा जन-उपयोगी विशिष्ट उपलब्धियों और प्रयासों की जानकारी यथासंभव जनभाषा में प्रकाशित की जानी चाहिए जिससे कि केंद्र द्वारा विशिष्ट क्षेत्रों में किए जाने वाले प्रयासों से आम नागरिक परिचित हो सके तथा परमाणु कार्यक्रम के बारे में शंकाएँ कम की जा सकें।

माननीय सदस्यों ने इस बात पर बल दिया कि विज्ञान के विषयों में मूल लेखन भारतीय भाषाओं में ही करने के साथ विदेशी जरनलों में प्रकाशित चुनिंदा लेखों के अनुवाद कार्य को भी केंद्र में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

सारतः समिति ने केंद्र द्वारा राजभाषा के प्रयोग को बढावा देने की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया।

सांसदों ने केंद्र में लेसर प्रौद्योगिकी तथा विभिन्न प्रकार के लेसरों के विकास संबंधी जानकारी में गहरी रुचि प्रदर्शित की तथा अपनी जिज्ञासाओं के बारे में केंद्र निदेशक से प्रश्न किए। संसद-सदस्यों ने लेसर प्रौद्योगिकी का भी अवलोकन किया और वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की।

सांसदों ने केंद्र के निदेशक, डॉ. भवालकर को विशेषकर सरल एवं बोधगम्य जानकारी हिन्दी में देने के लिए बधाई दी तथा उनकी हिन्दी में रुचि के लिए भी प्रशंसा की।

निरीक्षण के अवसर पर परमाणु ऊर्जा विभाग की ओर से श्रीमती टी.एफ.थेक्केकरा (उप-सचिव, प्रशासन) तथा कु. मिथलेश शर्मा (उपनिदेशक, राजभाषा) उपस्थित हुई।

केंद्र की ओर से डॉ.दि.दे.भवालकर (निदेशक), श्री सत्यनारायण व्यास (अध्यक्ष, रा.भा.का.स.), श्री गोपालसिंह (मु.प्र.ले.अ.), श्री आर.एन.शुक्ला (प्रशासनिक अधिकारी) एवं श्री सुनील सरवाही (सहायक निदेशक, राजभाषा) उपस्थित थे।

राजभाषा संवर्धन कार्यक्रम

केंद्र के हिन्दी एकक द्वारा 14 सितंबर 1992 को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ.दि.दे.भवालकर मुख्य अतिथि थे। अपने भाषण में डॉ.भवालकर ने यह विचार व्यक्त किये कि युवा वैज्ञानिक, तकनीकी विषयों में मूलरुप से हिन्दी या अन्य भारतीय भाषाओं में लेखन कर देश के वैज्ञानिक और तकनीकी साहित्य को अधिक समृद्ध कर सकते हैं। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि राजभाषा के रुप में सरल और कामकाजी हिन्दी के प्रयोग को बढावा देने की बात करते समय हमें ध्यान देना चाहिए कि प्रयोग में लाई जा रही वर्तनी के अशुद्ध प्रयोग मात्र से कभी-कभी शब्द का अर्थ और संदर्भ बदल जाता है अत: यह आवश्यक है कि जहाँ हिन्दी के प्रयोग को बढाया जाए वहाँ सही वर्तनी का प्रयोग भी सुनिश्चित किया जाए।

समारोह की अध्यक्षता श्री सत्यनारायण व्यास (अध्यक्ष, रा.भा.का.स.) ने की। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री सत्यनारायण व्यास ने इस बात पर दु:ख प्रकट किया कि जब कभी भी हिन्दी प्रयोग की चर्चा होती है तो हमारा विचार-बिंदु अन्य प्रश्नों पर केंद्रित हो जाता है, जो कि गौण हैं और केवल दृढ इच्छा शक्ति से दूर किए जा सकते हैं। श्री व्यास ने उपस्थित अधिकारियों से यह जानना चाहा कि जब हम केवल हिन्दी की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि विज्ञान जैसे विषयों पर लेखन निर्धारित शब्दावली में ही होगा चाहे वह हिन्दी की शब्दावली प्रयोग कर किया जाए अथवा अँग्रेजी की शब्दावली से।

गोष्ठी में केंद्र के वैज्ञानिकों; सर्वश्री टी.पी.एस.नाथन, बी.जे.वैद्य, डॉ.आर.व्ही.नाँदेडकर, डॉ.एच.एम.पी.सिंह, श्री जे.के. गुप्ता एवं श्री वी.के.गुप्ता, प्राचार्य, प.ऊ.कें.वि., ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर निदेशक महोदय की ओर से हिन्दी के प्रयोग को बढाने के लिए एक अपील जारी की गई तथा वार्षिक कार्यक्रम और अन्य सहायक सामग्री का वितरण भी किया गया। राजभाषा संबंधी वृत्त-चित्र का प्रदर्शन भी हुआ।

लेसर प्रयोगशाला में सांसद । बाएँ से, डॉ. भवालकर, सांसद श्री खलील-उल-रहमान, डॉ. लक्ष्मी नारायण पांडेय, श्री उदयप्रताप सिंह, श्री जगदीश प्रसाद माथुर, श्री वि.कृ.हाण्डिक एवं चौ. हरमोहनसिंह।

प्रारंभ में श्री गोपालसिंह (मु.प्र.ले.अ.) ने मुख्य अतिथि का तथा हिन्दी कक्ष की ओर से कु. रश्मि व श्री गिरीश सोनी ने अध्यक्ष, राभाकास और राजभाषा अधिकारी का पुष्पों से स्वागत किया। श्री सुनील सरवाही (सहायक निदेशक, राजभाषा) ने सभी का स्वागत किया और केंद्र में हिन्दी के प्रयोग को बढाने में सहयोग की कामना की।

14 सितंबर से 13 अक्तूबर 1992 की अवधि में विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण दिनाँक 18 दिसंबर 1992 को केट अतिथि-गृह के सभाकक्ष में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे डॉ.उमराव सिंह चौधरी, कुलपति, इंदौर विश्वविद्यालय।

इस अवसर पर कुलपति महोदय ने बुद्धिजीवियों तथा उच्च शिक्षा प्राप्त युवा वैज्ञानिकों और वरिष्ठ अधिकारियों का आव्हान करते हुए इस बात पर बल दिया कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रुप में मान्यता दी जाए क्योंकि केवल राजभाषा के रुप में इसके संवर्धन की बात करना इसके कलेवर को सीमित करना होगा। उन्होंने कहा कि हिन्दी देश की अस्मिता की प्रतीक है तथा हमारे स्वाधीनता संग्राम में क्राँति की वाहिका थी। अत: सरकारी काम में हिन्दी के प्रयोग से इसका विस्तार तो होगा ही साथ ही राष्ट्रभाषा के रुप में इससे राष्ट्रीय एकीकरण में भी मदद मिलेगी।

समारोह की अध्यक्षता प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र के निदेशक डॉ.दि.दे.भवालकर ने की। इस अवसर पर लगभग 50 पुरस्कार तथा पदक और प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। एक से अधिक पुरस्कार पाने वालों में श्री साबिर अली, कु.कृष्णा शर्मा, श्री गिरीश सोनी, कु.एंजेला क्रॉस्को, श्री ललित गवली और श्री कमलेश रंबाडिया रहे। आरंभ में श्री सत्यनारायण व्यास (अध्यक्ष, रा.भा.का.स.) ने अतिथियों का स्वागत किया। श्री गोपालसिंह, (मु.प्र.ले.अ.) ने केंद्र में हिन्दी की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन श्री सुनील सरवाही, (सहायक निदेशक, राजभाषा) ने किया।

राजभाषा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की एक झलक ।

Beam extracted from microtron

An electron beam of 15.3 MeV and 1.5 mA was extracted from microtron on Dec. 15, 1992. The microtron is still in commissioning stage and preparations are being made to increase the power in steps to achieve the design parameters of 20 MeV and 30 mA.

Felicitation of Dr. P R K Rao

Dr. P R K Rao who retired as Head, MDRS, BARC, Bombay was keenly interested in the activities of this centre. A function to felicitate him was organised at CAT on July 3, 1992. Three seminars on topics of current interest to CAT were also organised on this occasion.

Annual function of CAT staff club

The CAT staff club organised its annual cultural and prize distribution function on Aug.15, 1992. Shri TGK Menon, Director, All India Kasturba Gandhi National Memorial Trust, Indore, was the chief guest. Shri A S Rajarao, President, CAT staff club welcomed the gathering and Dr D D Bhawalkar, Director, CAT presided over the function. Staff members who excelled in the various sports and cultural competitions organised by the club were presented prizes. A cultural programme was also organised on the occasion.

DAE cultural meet

The VIII all India atomic energy cultural meet 1992 was organised at CAT during Nov.23-27, 1992. The meet organised by CAT staff club, was inaugurated by Shri Baba Dike, a noted exponent of drama. About 100 participants from various DAE units participated in various events such as light vocal music, classical music both vocal and instrumental, folk dance and percussion instrumental. Dr. D D Bhawalkar, Director, CAT gave away the prizes to the winners of various events. The five day cultural extravaganza was much enjoyed by the CAT community. Shri A S Rajarao was the chairman of the organising committee of the meet while Shri TPS Nathan was the convener.

Annual function of CAT staff club. Seated on the dias are (from L to R) Prof. J A F Roodbergen (Amsterdam University), Dr. D D Bhawalkar, Shri T G K Menon, Prof. S D Joshi (Deccan College, Pune) and Shri A S Rajarao.

Shri Baba Dike delivering inaugural speech at the VIII All India Atomic Energy Cultural Meet.

CAT NEWSLETTER is a publication of
Centre for Advanced Technology,
P.O. CAT,
Indore (MP) 452 013,
India

EDITORIAL BOARD

Dr. P K Gupta	Convener
Dr. P D Gupta	Member
Shri H C Soni	Member
Shri Gurnam Singh	Member
Shri P K Kush	Member
Shri S C Joshi	Member

Naidunia Printery, Indore ☎ 61400